16 / 01 / 80 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

ऑलमाइटी अथॉरिटी राज (योगी) सभा

व लोक (पसन्द) सभा का अनुभव

➢➢ आज वतन से बाप दादा का बुलावा आया है

➳ _ ➳ बाबा ने हर ब्राह्मण बच्चे को बुलाया है

➳ _ ➳ हर राजयोगी को बुलाया है

→ मैं आत्मा अपनी फरिश्ताई ड्रेस में उड़ चलती हूं वतन की ओर

- सभा है यहां राज योगियों की
- राज योगी सभा
- आलमाइटी अथॉरिटी राज योगी सभा
- आलमाइटी गवर्नमेंट की स्थापना का कार्य चल रहा है
- लोक पसंद सभा के सदस्यों का फैसला हो रहा है

→ क्या मुझे लोक पसंद सभा की टिकट मिली है

➢➢ क्या मैं लोक पसंद हूं

➢➢ क्या मैं प्रभु पसंद हूं

➳ _ ➳ बाबा ने जिसे भी पसंद किया

→ सब राजयोगी बन गए

- पर कोई 8 की माला का पहला नंबर है
- और कोई 16000 का आखरी

➳ _ ➳ मैं कहां हूं

→ मैं विश्व कल्याण का कार्य करने वाली आत्मा हूं

→ मैं महिमा गाने वालों में नहीं

- मैं महिमा योग्य बन रही हूँ

→ मैं दृढ़ संकल्प के आधार से

- हर कर्म करती आगे बढ़ रही हूँ

→ करना चाहिए होना चाहिए के उलझनों से नहीं रुकती

- मैं निरंतर कर्मयोगी हूँ
- उमंग से भरपूर हूँ

→ सदा उमंग में मैं प्रभु पसंद आत्मा हूं

➢➢ मैं प्रभु पसंद आत्मा हूं

➢➢ क्या मैं लोक पसंद आत्मा हूं

➳ _ ➳ मैं अपने हर संकल्प को हर विचार को चेक करती हूं

→ हां मेरा हर संकल्प हर विचार प्रभु पसंद है

➳ _ ➳ अति स्नेह है मुझे बाप से

→ उसकी हर पसंद मेरी पसंद है

→ सारे विश्व की आत्माएं ढूंढ रही है उसे

- क्रिश्चन क्राइस्ट में ढूंढ रहे हैं
- बौद्धी बुद्ध में ढूंढ रहे हैं
- सब की खोज है परमपिता
- सबको प्रिय है परमपिता

→ मैं ऐसे बाप की प्रभु की पसंदीदा संतान

- जिसको प्रभु पसंद करते हैं विश्व की पसंद है ही वह आत्मा
- मैं लोक पसंद आत्मा हूँ

➢➢ मैं लोक पसंद आत्मा हूँ

➳ _ ➳ अविनाशी लॉ एंड ऑर्डर के राज्य की स्थापना हो रही है

→ सिर्फ ब्राह्मण पार्टी की मेंबर नहीं

- बल्कि लोक पसंद सभा का हिस्सा हूँ

→ अल्पकाल और अल्प बुद्धि के विचार नहीं

- विश्व कल्याण की के लिए भिन्न-भिन्न विचारों पर कार्य चल रहा है
- हर कार्य निस्वार्थ
- विश्वकल्याण अर्थ

→ ऑलमाइटी गवर्नमेंट की स्थापना हो रही है